शंकर भोलानाथ है हमारा तुम्हारा महाकाल की नगरी लिरिक्स

शंकर भोलानाथ है हमारा तुम्हारा महाकाल की नगरी लिरिक्स

जब भी ये तन त्यागु त्यागु क्षिप्रा तट पर,
इतना करना स्वामी और मरु मर्धत पर,
मेरी भसमी चड़े आप पर पाउ प्यार तुम्हारा,
शंकर भोलानाथ है हमारा तुम्हारा

जय भोला भंडारी जय गौरा त्रिपुरारी,
रखियो लाज हमारी सब जाग के हितकारी,
मन की इक्च्या पूरण होतो होवे वारा न्यारा,
बाबा भोलानाथ है हमारा तुम्हारा

शंकर भोला नाथ है हमारा तुम्हारा हमारा तुम्हारा,
महाकाल की नगरी मे पाउ जनम दोबारा